

## सपनीले सफर में अहसासों के जीवंत चित्र

डॉ. अंजु दुआ जैमीनी ने अपनी हालिया किताब 'धूप, झाग और रेत' में ड्रिटेन, थाइलैंड, सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात दिखाए अपनी पसंदीदा जगहों की अत्यधिक छवियों को उत्सुक निगाह से पकड़दे का जो प्रयास किया है, वह रम्य एवं लूचिकर है। इन संस्मरणों में पाठक विदेशी जमीन के नए-नए, रोचक अनुभवों के परिदृश्य से गुजरेंगे। कुल बतीस लेखों में लेखिका नितांत अलग-अलग स्थानों पर पाठकों को पहुंचाकर आनंदित करती है, व्यक्ति ये केवल लेख न होकर अंखोंदेखी जीवंत घटनाओं, स्थितियों, संदर्भों और सूत्रों का विवेचनीय स्मरण है।

ड्रिटेन की यात्रा के दौरान लेखिका जब विमान से हीथो हवाई अड्डे पर उतरी तो लंदन के दूध से सफेद गोरे-चिह्नों को देखकर रिक्ख हो गई। जब से ओसामा-बिन-लादेन ने अमेरिका के 'टिक्कन टावर' पर हमला किया है तब से गोरे, मुस्लिमों से धूपा करते हैं। ये हिंदुस्तानियों को भी पाकिस्तानी समझ लेते हैं और इन्हें अनीब निगाहों से घृते हैं। 'गो बैक एशियां' के नारे लगते हैं। ड्रिटेन में छुटपन से ही ब्वायफेंड रखने का चलन है। युवक-युवती ऐश्वर्यां हैं। स्मोकिंग, ड्रिंकिंग, ड्राइविंग, ड्रग्स, नाइट आउट, सेक्स आदि इनके जीवन के अंग हैं। भौतिक ऐशो-इश्वर तो बहुत है पर आत्मिक सुख से बित्त हैं यहां के निवासी। यह भी सच है कि इस देश में कोई भ्रूण नहीं मरता। यहां हर चीज भिलती है। सरकार की ओर से संतान-भ्रता, बेरोजगारी भ्रता, वृद्धावस्था-भ्रता दिया जाता है। डिलीवरी एवं जच्चा-बच्चा इलाज समेत सब तरह की चिकित्सा नागरिकों के लिए मुफ्त है। शिक्षा भी मुफ्त है। तकनीकी दृष्टि से यह देश भारत से बहुत अग्रे है। यहां घोटाले नहीं होते। यहां की सरकार जनता से वसूले गए टैक्स की पाई-पाई जनता पर खर्च करती है। सरकारी कामकाज सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी है। छोटे से छोटे कर्मचारी को सम्मान की निगाह से देखा जाता है। देखने को यहां बहुत कुछ है पर सर्दी यहां की कठोर है। कुनकुनी धूप खूब सुहाती है।

थाइलैंड हमारे देश से डेंड घंटा आगे है। यहां पर पर्यटन के सहरे संप्रभुता बढ़ी है। इस देश को मसाज और हाथियों के लिए जाना जाता है। दुनिया का हर दूसरा सैलानी यहां स्पा व मसाज का लुत्फ उठाता है। यहां की सरकार आर्थिक विकास के लिए युग लड़कियों को देख व्यापार हेतु लाइसेंस देती है। पैराग्लाइंडिंग, अंडर वाटर व अतिशाशी और नौका विहार के मार्कें यहां खुब हैं। फोटोग्राफी भी धन कमाने का जरिया है। बैंकाक के बौद्ध मंदिर में स्थापित बुद्ध की स्वर्ण मूर्तियां पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। राजा का महल भी दृश्यतीय है। सिंगापुर छोटा किंतु सुंदर देश है। यहां का राष्ट्रीय धिन जल सिंह यानी मरलायन है। इसी सिंह के नाम पर इस देश का नाम सिंगापुर पड़ा है। यहां की आबादी बहुत थोड़ी है। इसालए यहां की सरकार नवा बच्चा पैदा होने पर 'चाइल्ड अलाउंस' देती है। समय की पांचवीं, व्यवहार-कुशलता, अनुशासन, साफ-सफाई, सड़क निर्माण और सुव्यवस्थित यातायात का पाठ कोई सिंगापुरवासियों से पढ़े। दुबई और अबूद्धबी का रेतीला रोमांच भी अविसरणीय है। संयुक्त अरब अमीरात की सात अमीरातों में से एक दुबई की आधुनिकता अभिभूत करने वाली है। यहां की ऊंची-ऊंची शानदार इमारतें व्यूथार्क, लंदन और पेरिस की भव्य इमारतों को मात्र करती हैं। मिडिल ईस्ट के पेरिस कहे जाने वाले दुबई में इतने शोधिंग मॉल हैं कि आरंधे चौथिया जाती हैं। शेख, ऊंट, रेत, तेल, बुर्ज, स्वर्ण और रेंगिस्तानी पार्क दुबई की ठेठ पहचान हैं। दुबई की गिनती दुनिया के सावधान सुकिंत शहरों में होती है। यहां की जमीन का मान रखने के लिए कोई उस पर धूकता तक नहीं है, न ही गंडी फैलाता है। अपराध का फीटर यहां नगरण्य है। यहां सोने की परत चढ़ी एटीएम मशीनों से स्वर्ण बिक्रिट और सिक्के बिकलते हैं, किंतु डकैती का डर नहीं है। यहां बिना लाइसेंस के न कोई शराब रख सकता है, न पी सकता है। बाजार में शराब की कोई दुकान नहीं है। अबूद्धबी में मकराना (राजस्थान) के सफेद मार्बल से बनी 'शेख जायद मरिज़द' विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सिजदा करने की जगह है। इसमें बिछे विश्व के सबसे बड़े फारसी कालीन को ईरान की बारह बुनकर स्त्रियों ने दिन-रात काम करके दो साल में तैयार किया था।

## खाना खजाना/मावा मोदक



कितने लोगों के लिए - 5

सामग्री - खजूर - 1 कप (बीज निकले), बादाम-10-12, काजू-10-12, अखरोट-10-12, पिस्ता-10, किंशमिस-20 सूखा हुआ, नारियल- 2 टेबलस्पून (कहूक्स किंशा हुआ), खसखस- 1 टेबलस्पून, धी- 2 टेबलस्पून

विधि - एक नॉन-स्टैक पैन गर्म करें और उसमें काजू बादाम और पिस्ता डालकर गोलांन ब्राउन होने तक भून लें और अलग रख दें। पिंजरी पैन में नारियल और खसखस डालकर धीमी आंच पर आधा मिनट तक भून लें। इसे भी ठंडा होने दें। अब सभी भूने डायपर्स को ग्राइंडर में पीसकर बारीक पाउडर बना लें। अब एक पैन में एक टीस्पून धीरे गर्म करें और उसमें किंशमिस और खसखस डालकर धीमी आंच पर दो से तीन मिनट तक भून लें। फिर इसे भी ठंडा होने दें। जब ये ठंडा हो जाएं तब इसे भी पीसकर बारीक पेस्ट बना लें। धीरे से मोल्ड को खोलकर मोदक का बाहर निकला। अब एक टीस्पून धीरे डालकर अच्छे से मिक्स करते हुए इसे गृह लें। फिर मोदक के मोल्ड में थोड़ा सा धी लगाकर चिकने कर लें। अब मिक्सचर से छोटे बॉल्स बना लें और उन्हें मोल्ड में रखकर चारों तरफ से अच्छे से दबा दें और मोल्ड के बाहर निकला हुआ एक्सट्रा मिक्सचर हटा दें। फिर धीरे से मोल्ड को खोलकर मोदक निकला। इसी तरह बाकि के मोदक बना लें और गणपति को भोग लाएं।

## आईएएफ कॉर्टिनेट कप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने अरपिंदर

ओस्ट्रिया (चेक गणराज्य)

(आरएनएस)। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अरपिंदर सिंह यहां जारी आईएएफ कॉर्टिनेट कप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। तिहरी कूद एथलीट अरपिंदर ने 16.59 मीटर कूद लगाकर तीसरा जल सिंह यानी मरलायन है। इसी सिंह के नाम पर इस देश का नाम सिंगापुर पड़ा है। यहां की आबादी बहुत थोड़ी है। इसालए यहां की सरकार नवा बच्चा पैदा होने पर 'चाइल्ड अलाउंस' देती है। समय की पांचवीं, व्यवहार-कुशलता, अनुशासन, साफ-सफाई, सड़क निर्माण और सुव्यवस्थित यातायात का पाठ कोई सिंगापुरवासियों से पढ़े। दुबई और अबूद्धबी का रेतीला रोमांच भी अविसरणीय है। संयुक्त अरब अमीरात की सात अमीरातों में से एक दुबई की आधुनिकता अभिभूत करने वाली है। यहां की ऊंची-ऊंची शानदार इमारतें व्यूथार्क, लंदन और पेरिस की भव्य इमारतों को मात्र करती हैं। मिडिल ईस्ट के पेरिस कहे जाने वाले दुबई में इतने शोधिंग मॉल हैं कि आरंधे चौथिया जाती हैं। शेख, ऊंट, रेत, तेल, बुर्ज, स्वर्ण और रेंगिस्तानी पार्क दुबई की ठेठ पहचान हैं। दुबई की गिनती दुनिया के सावधान सुकिंत शहरों में होती है। यहां की जमीन का मान रखने के लिए कोई उस पर धूकता तक नहीं है, न ही गंडी फैलाता है। अपराध का फीटर यहां नगरण्य है। यहां सोने की परत चढ़ी एटीएम मशीनों से स्वर्ण बिक्रिट और सिक्के बिकलते हैं, किंतु डकैती का डर नहीं है। यहां बिना लाइसेंस के न कोई शराब रख सकता है, न पी सकता है। बाजार में शराब की कोई दुकान नहीं है। अबूद्धबी में मकराना (राजस्थान) के सफेद मार्बल से बनी 'शेख जायद मरिज़द' विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सिजदा करने की जगह है। इसमें बिछे विश्व के सबसे बड़े फारसी कालीन को ईरान की बारह बुनकर स्त्रियों ने दिन-रात काम करके दो साल में तैयार किया था।

## एशिया कप 2018 : युजर्वेंद्र चहल ने दिए रोहित शर्मा को बैटिंग टिप्स

नई दिल्ली (आरएनएस)। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अरपिंदर सिंह यहां जारी आईएएफ कॉर्टिनेट कप में पदक जीतने वाले भारतीय बन गए हैं। तिहरी कूद एथलीट अरपिंदर ने 16.59 मीटर कूद लगाकर तीसरा जल सिंह यानी मरलायन है। इसी सिंह के नाम पर इस देश का नाम सिंगापुर पड़ा है। यहां की आबादी बहुत थोड़ी है। इसालए यहां की सरकार नवा बच्चा पैदा होने पर 'चाइल्ड अलाउंस' देती है। समय की पांचवीं, व्यवहार-कुशलता, अनुशासन, साफ-सफाई, सड़क निर्माण और सुव्यवस्थित यातायात का पाठ कोई सिंगापुरवासियों से पढ़े। दुबई और अबूद्धबी का रेतीला रोमांच भी अविसरणीय है। संयुक्त अरब अमीरात की सात अमीरातों में से एक दुबई की आधुनिकता अभिभूत करने वाली है। यहां की ऊंची-ऊंची शानदार इमारतें व्यूथार्क, लंदन और पेरिस की भव्य इमारतों को मात्र करती हैं। मिडिल ईस्ट के पेरिस कहे जाने वाले दुबई में इतने शोधिंग मॉल हैं कि आरंधे चौथिया जाती हैं। शेख, ऊंट, रेत, तेल, बुर्ज, स्वर्ण और रेंगिस्तानी पार्क दुबई की ठेठ पहचान हैं। दुबई की गिनती दुनिया के सावधान सुकिंत शहरों में होती है। यहां की जमीन का मान रखने के लिए कोई उस पर धूकता तक नहीं है, न ही गंडी फैलाता है। अपराध का फीटर यहां नगरण्य है। यहां सोने की परत चढ़ी एटीएम मशीनों से स्वर्ण बिक्रिट और सिक्के बिकलते हैं, किंतु डकैती का डर नहीं है। यहां बिना लाइसेंस के न कोई शराब रख सकता है, न पी सकता है। बाजार में शराब की कोई दुकान नहीं है। अबूद्धबी में मकराना (राजस्थान) के सफेद मार्बल से बनी 'शेख जायद मरिज़द' विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सिजदा करने की जग